भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 3862

सोमवार, 16 मार्च, 2026/25 फाल्गुन, 1947 (शक)

बेरोजगारी मापने की पद्धति

3862. श्री आनंद भदौरिया:

श्री धर्मेन्द्र यादव:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा 16 फरवरी, 2026 को जारी की गई सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार जनवरी, 2026 के दौरान देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के युवाओं में बेरोजगारी दर बढ़कर 5 प्रतिशत हो गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि देश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग प्रत्येक घर में 18 वर्ष से 32 वर्ष की आयु के बेरोजगार युवा हैं;

(घ) यदि हां, तो बेरोजगारी को मापने के लिए किस पद्धति का उपयोग किया जा रहा है जो बेरोजगारी दर को 4 से 5 प्रतिशत तक कर देता है;

(ड) क्या सरकार का विचार बेरोजगारी मापने की अपनी कार्यप्रणाली में संशोधन करने का है क्योंकि यह अव्यावहारिक है और बेरोजगारी के वास्तविक स्तर को कम करके आंकती है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (च): रोजगार और बेरोजगारी का आधिकारिक डाटा आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) द्वारा एकत्र किया जाता है जिसे सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से आयोजित किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जनवरी 2025 से पीएलएफएस को नया रूप दिया है। पीएलएफएस वर्ष 2017 से वार्षिक आधार पर और वर्ष 2018 से तिमाही शहरी अनुमानों के साथ आयोजित किया गया है। इसके अतिरिक्त, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जनवरी, 2025 से मासिक और त्रैमासिक ग्रामीण अनुमान जारी किए जाते हैं। बढ़ी हुई आवृत्ति और मौसमी परिवर्तनों के कारण मासिक पीएलएफएस अनुपातों में परिवर्तन अपेक्षित है, लेकिन जरूरी नहीं कि यह दीर्घकालिक प्रवृत्ति को प्रतिबिंबित करे। पीएलएफएस रिपोर्टों में विस्तृत कार्यप्रणाली उपलब्ध है, जिसे सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की वेबसाइट https://www.mospi.gov.in/publications-reports पर देखा जा सकता है।

नवीनतम वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति के आधार पर अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) वर्ष 2017-18 में 6.0% से घटकर वर्ष 2023-24 में 3.2% हो गई है। इसी अवधि के दौरान, 15-29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के लिए सामान्य स्थिति के आधार पर यूआर 17.8% से घटकर 10.2% हो गया है।

इसके अतिरिक्त, देश में ग्रामीण क्षेत्रों में 15-29 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए सामान्य स्थिति के आधार पर यूआर वर्ष 2017-18 में 16.6% से घटकर वर्ष 2023-24 में 8.5% हो गया है और इसी अवधि के दौरान शहरी क्षेत्रों में यह 20.6% से घटकर 14.7% हो गया है।

*****